वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में 49 शहरों में आवास की कीमतें बढ़ीं: रा.आ.बैंक

- ***सभी 8 प्रमुख महानगरों (यथा अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे) में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।***
- ***वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में 49 शहरों ने सूचकांकों में वृद्धि दर्ज की।***
- ***मूल्यांकन के आधार पर 50 शहरों ने समग्र एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 6.6% की वृद्धि दर्ज की।***
- ***निर्माणाधीन और निवास करने योग्य बिना बिकी सम्पत्तियों के लिये उद्धृत कीमतों में वर्ष-दर-वर्ष सुधार दर्ज किया गया।***

भारत के आठ प्रमुख प्राथमिक आवासीय बाजारों में अप्रैल-जून 2024 की अवधि के दौरान संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद (6.4%), बेंगलुरु (10.6%), चेन्नई (9.6%), दिल्ली (1.5%), हैदराबाद (8.3%), कोलकाता (8.0%), मुंबई (4.6%) और पुणे (6.4%) ने राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा प्रकाशित आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार वार्षिक आधार पर सूचकांक में वृद्धि दर्ज की।

बैंकों एवं आवास वित्त कंपनियों (एचपीआई@आकलन मूल्य) से एकत्रित संपत्तियों के आकलन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने वित्त वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही के दौरान 6.6% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 4.8% थी।

एचपीआई@आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों में 25.7% (गुरुग्राम) की वृद्धि से लेकर 2.8% (रायपुर) की गिरावट, में व्यापक रूप से भिन्न है।

50 शहरों में से, 49 में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई जबकि 1 शहर (रायपुर) में संपत्ति की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने अप्रैल-जून 2024 में 2.2% का विस्तार दर्ज किया, जो कि पिछली तिमाही में 1.6% से थोड़ा अधिक है। सूचकांक सितंबर-21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

सूचकांक में 50 शहरों में से 49 शहरों में वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें गुरुग्राम में 8.6%, की उच्चतम क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई, उसके बाद नवी मुंबई (7.7%), कोयम्बटूर (6.3%) और ग्रेटर नोएडा (5.8%) का स्थान रहा, जबकि चाकन में तिमाही के दौरान एचपीआई@मूल्यांकन मूल्य में 0.2% की अनुक्रमिक गिरावट दर्ज की गई।

आपूर्ति पक्ष पर, 50 शहरों के एचपीआई ने निर्माणाधीन और बिना बिकी निवास योग्य तैयार संपत्तियों (एचपीआई@निर्माणाधीन संपत्तियों के लिए बाजार मूल्य) के लिए उद्धृत कीमतों के आधार पर जून 2024 में समाप्त तिमाही में 10.6% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) भी दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 12.2% थी।

एचपीआई@बाजार मूल्य में वार्षिक भिन्नता 49.8% (देहरादून) की वृद्धि से लेकर 10.1% (विजयवाड़ा) के संकुचन तक थी।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50 शहरों के सूचकांक में पिछली तिमाही में 2.6% की तुलना में इस तिमाही के दौरान 2.7% की वृद्धि देखी गई।

रा.आ.बैंक तिमाही आधार पर **एचपीआई@आकलन मूल्य** (पीएलआई द्वारा प्रदान किए गए मूल्यांकन मूल्यों के आधार पर) और **निर्माणाधीन सांपतियों के लिए एचपीआई@बाजार मूल्य** (बिल्डरों और डेवलपर्स द्वारा बिना बिकी एवं निर्माणाधीन सम्पत्तियों के मांग मूल्य पर आधारित) नामत: दो सूचकांक तिमाही आधार पर प्रकाशित करता है।